

## **REPORT**

**TOPIC-“Awareness and prevention of Black fungus”.**

**Organized by IQAC and Red Cross Unit of the college in collaboration with Shri Rishabh Vidyodhya Vidyalaya Akaltara.**

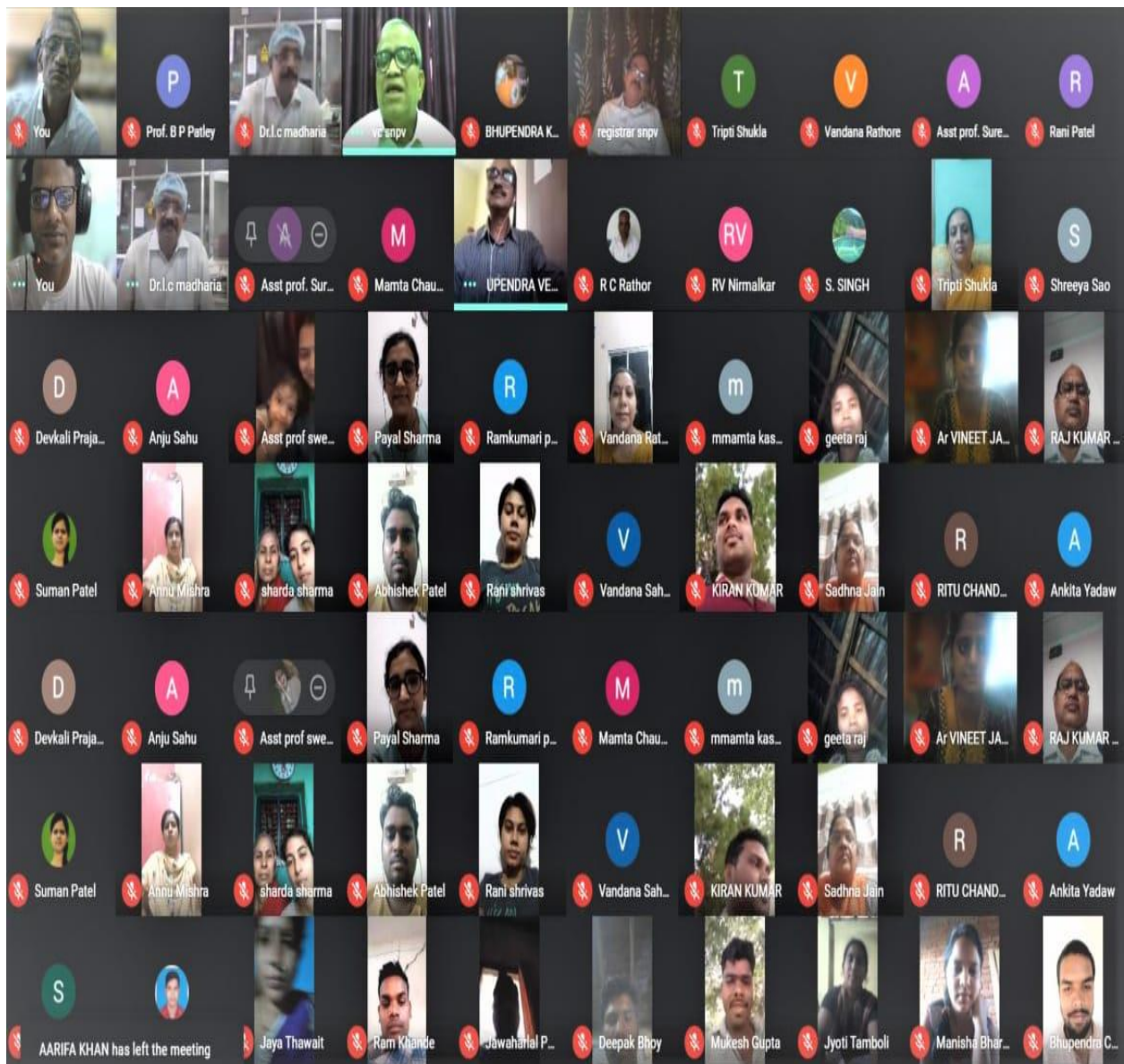
**DATE-22-05-2021.,TIME-3.00pm onwards.**

**RESOURCE PERSON/SPEAKERS S.no NAME OF RESOURCE PERSON      Dr.L.C.Madhariya**

**Director Ashirwad Netralaya Bilaspur**

Prevention of Black Fungus CONTEXT Admits the terror of the COVID-19 pandemic, there has been a new infection that has emerged to be an epidemic in parts of India. The Black Scientifically known as mucormycosis is an aggressive, severe and rare fungal infection that is affecting a number of pre and post COVID-19 patients.the majority of the cases has been the infection of patients that are recovering or have recovered from COVID-19. It has piled onto the number of strain that the country is facing as we had only just begun to understand a means to cope with the present pandemic the infection of the black fungus is spread in those people whose immune system is compromised and is not a strong enough to fight back .The infection medications like steroid and some antibiotics that are administered to COVID-19 are immunosuppressant this make it may also susceptible this will change to the infection is spreading. The purpose of conducting a webinar on this topic in the college. Is to inform the student and faculty about the symptoms visible in body due to infection of black fungus. Conducting online webinar on this topic due to zero offline activity during the time of lockdown. NUMBER OF PARTICIPANT’S BRIEF-The welcome speech is delivered by IN charge ,Principal Dr.R.K.Banerjee ,Dr.govt I.S.COLLEGE Akaltara .The Resource person DR.L..C.MADHARIA ,(Director ,At

Ashirwad laser and facco eye hospital bilaspur .told about the Fungus related problems like it's causes, symptoms and side effects,also told about the prevention from this fungus. Words of thanks expressed by J.K.Jain.chair person Shri Rishabh Vidyalyaya. This program is conducted by the IQAC co-ordinator mr.upendra Kumar verma(asstt.prof physics).The vice-chancellor and the registrar of the newly formed University SHAEED NAND KUMAR PATEL VISHWAVIDYALAYA Were invited as chief guest and guest of honour.



**वेबीनार • महामारी का रूप लेती ब्लैक फंगस के प्रति जागरूकता और रोकथाम के लिए राष्ट्रीय स्तर का आयोजन**

# ब्लैक फंगस के प्रति लापरवाही न बरतें: डॉ.मढ़रिया

• विशेषज्ञ बोले: लक्षण दिखे तो कराएं तुरंत जांच

भास्कर न्यूज़ | अकलतरा

महामारी का रूप ले रही ब्लैक फंगस के प्रति लापरवाही न बरतें और जागरूकता रखें तो इस बीमारी से बचा जा सकता है। उक्त बातें रविवार को नगर के डॉ. इंद्रजीत कॉलेज द्वारा आयोजित किए गए राष्ट्रीय के वेबिनार में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एलसी मढ़रिया द्वारा कही गईं।

उन्होंने बताया कि ब्लैक फंगस बीमारी की उत्पत्ति, लक्षण तथा निवारण से संबंधित विस्तृत तथा उपयोगी जानकारी वेबिनार की माध्यम से दी।

बीमारी के बारे में बताते डॉ. एलसी मढ़रिया ने कहा कि यह एक फंगल संक्रमण है, जो ऐसे व्यक्तियों में फैल सकता है जिसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जैसे मुख्यतः कोविड संक्रमित व्यक्ति, कोविड से ठीक हुए व्यक्ति शामिल हैं।

क्योंकि कोविड के कारण उनकी प्रतिरोधक क्षमता कुछ हद तक कम हो जाती है। यह संक्रमण हवा और पानी में मौजूद फंगस के कारण फैलता है, जिससे संक्रमित व्यक्ति के आंख, दांत, मुंह, नाक में गंभीर परिस्थिति बन जाती है। और अंत में यह मस्तिष्क तक पहुंच जाता है। जिससे व्यक्ति की मृत्यु तक हो जाती है। मस्तिष्क तक पहुंचने के कारण इस बीमारी

में मृत्यु दर 50 से 55 प्रतिशत तक है।

डॉ. मढ़रिया ने बताया कि इस बीमारी के फैलने की संभावना ऐसे व्यक्तियों में ज्यादा होती है जिनकी डायबिटीज कंट्रोल में नहीं रहती, भले ही ऐसे व्यक्तियों को कोरोना संक्रमण हुआ हो या न हुआ हो। ऐसे लोगों में भी इस बीमारी की संभावना बढ़ जाती है। कोरोना के इलाज के दौरान स्टेराइड की ज्यादा मात्रा दी गई हो या अधिक मात्रा में ऑक्सीजन दी गई हो वे बेहद संवेदनशील होते हैं। इसके अलावा अस्थमा के मरीज, फेफड़े की बीमारी से ग्रसित मरीज व ऐसे व्यक्ति जो ज्यादा मात्रा में एंटीबायोटिक लेते हैं वे सभी इस बीमारी के

ब्लैक फंगस में पहला वेबीनार इसलिए सभी के लिए महत्वपूर्ण: डॉ. एलपी पटेरिया

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय रायगढ़ के कुलपति डॉ. एलपी पटेरिया व विशिष्ट अतिथि कुलसचिव केके चंद्राकर व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डा. एसके एक्का रहे। मुख्य अतिथि डॉ. पटेरिया ने बताया कि इस विषय पर यह पहला

वेबीनार है, और यह बीमारी अभी-अभी चर्चा में आई है, इसलिए शुरुआत में ही इसके प्रति जानकारी, इसके लक्षण, रोकथाम और इलाज की जानकारी होने पर इसके प्रसार को रोका जा सकता है। इसलिए यह वेबीनार स्टूडेंट्स व सभी वर्ग के लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

संक्रमण में आ सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन उपेन्द्र कुमार वर्मा, सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र द्वारा किया गया। आखिर में डॉ. जेके जैन संरक्षक ऋषभ शिक्षण समिति के द्वारा किया गया। इस

कार्यक्रम में बहुत अधिक संख्या में शिक्षक, विद्यार्थियों तथा नागरिक जुड़े ब्लैक फंगस के प्रति जानकारी ली। उन्हें बीमारी के सभी लक्षण और इलाज का तरीका बताया गया।